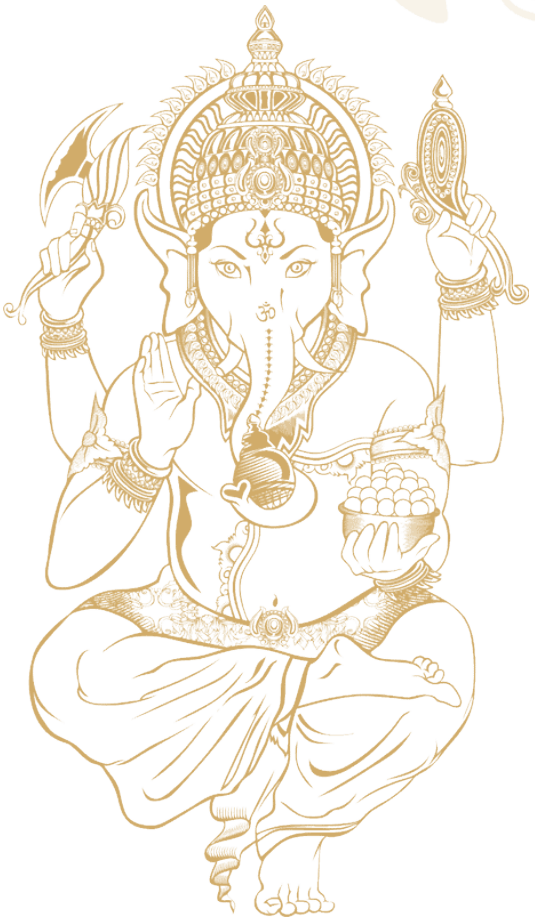

Mr.Mohit

Ms.Pooja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119909302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/09/1996	जन्म तिथि	1-02/01/1998
गुरुवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 21:10:00	जन्म समय	01:32:00 घंटे
घटी 37:40:11	जन्म समय(घटी)	45:51:21 घटी
India	देश	India
Sawai Madhopur River	स्थान	Cannanore
26:00:00 उत्तर	अक्षांश	11:51:00 उत्तर
76:28:00 पूर्व	रेखांश	75:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:08	स्थानिक संस्कार	-00:28:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:05:55	सूर्योदय	06:48:55
18:40:12	सूर्यास्त	18:15:12
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:41

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 3वर्ष 10मा 29दि	11:36:23	मेष	लग्न	तुला	03:02:45	मंगल 4वर्ष 6मा 25दि
गुरु	19:31:44	सिंह	सूर्य	धनु	17:22:49	गुरु
05/08/2018	29:12:44	वृष	चंद्र	मक	27:57:38	29/07/2020
05/08/2034	03:33:18	कर्क	मंगल	मक	17:35:43	29/07/2036
गुरु 23/09/2020	09:34:36	कन्या व	बुध	वृश्चि	25:10:15	गुरु 16/09/2022
शनि 06/04/2023	14:00:54	धनु	गुरु	मक	28:35:39	शनि 29/03/2025
बुध 12/07/2025	04:31:59	कर्क	शुक्र व	मक	09:22:45	बुध 05/07/2027
केतु 18/06/2026	11:44:23	मीन व	शनि	मीन	19:57:08	केतु 10/06/2028
शुक्र 16/02/2029	14:29:58	कन्या व	राहु व	सिंह	18:27:06	शुक्र 09/02/2031
सूर्य 05/12/2029	14:29:58	मीन व	केतु व	कुंभ	18:27:06	सूर्य 28/11/2031
चन्द्र 06/04/2031	07:18:01	मक व	हर्ष	मक	13:20:11	चन्द्र 29/03/2033
मंगल 12/03/2032	01:25:07	मक व	नेप	मक	05:08:44	मंगल 05/03/2034
राहु 05/08/2034	06:42:46	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:57:52	राहु 29/07/2036

लग्न-चलित

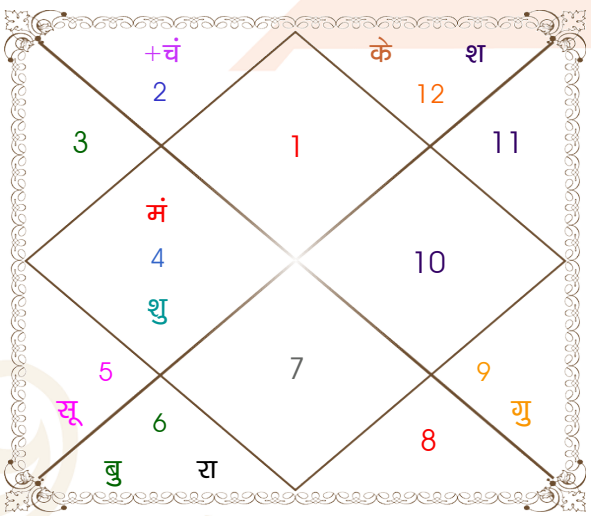

लग्न-चलित

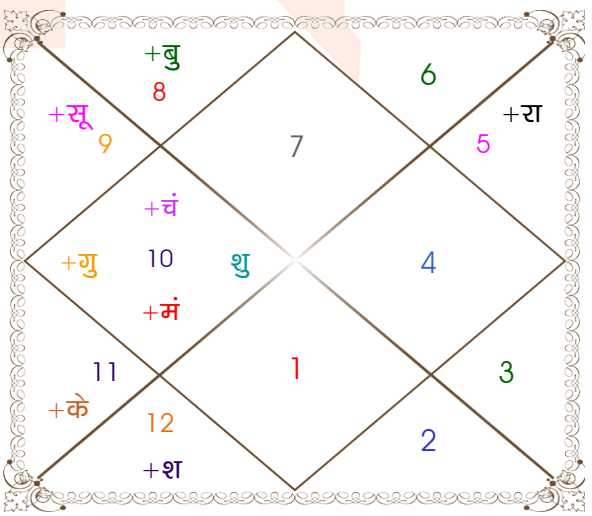

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.Mohit का नक्षत्र मृगशिरा है।

Mr.Mohit का वर्ग मृग है तथा Ms.Pooja का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Mohit और Ms.Pooja का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Mohit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.Mohit कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Mohit कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Pooja मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Pooja कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms.Pooja कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Pooja कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Mohit कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Mohit तथा Ms.Pooja में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।